एशियाई हाथी

स्रोत: द हिंदू

एशियाई हाथियों *(?????? ??????????)* पर किये गए एक अध्ययन से उनकी ध्वनि के बारे में नई जानकारी सामने आई है।

- **मुख्य निष्कर्ष:** एशियाई हाथी ध्यान आकर्षित करने और भावनाओं को व्यक्त करने के लिये **तुरही, दहाड़, गड़गड़ाहट और चहचहाने** का उपयोग करते हुए संवाद करते हैं।
  - पहले यह माना जाता था कि **तुरही मुख्य रूप से मानवीय व्यवधानों की प्रतिक्रिया है**, लेकिन नए निष्कर्षों से पता चलता है कि इसका उपयोग सामाजिक अंतःक्रियाओं और भावनाओं को व्यक्त करने में किया जाता है।
- **एशियाई हाथी:**
  - **उप-प्रजातियाँ:** एशियाई हाथियों की तीन उप-प्रजातियाँ हैं- **भारतीय, सुमात्रा और श्रीलंकाई।**
  - **जनसंख्या:** 13 देशों में विखंडित आबादी 50,000 से भी कम रह गई है।
    - **निवास स्थान:** घास के मैदानों, झाड़ियों, सदाबहार और पर्णपाती वनों में पाया जाता है।
    - **आकार और स्वरूप: अफ्रीकी हाथियों** से छोटे तथा तुलनात्मक रूप से छोटे कान।
  - **महत्त्व:** जंगलों की भलाई के लिये एक आवश्यक प्रजाति, हाथी भारत के प्राकृतिक विरासत पशु हैं। वे पानी की तलाश तथा वन पुनर्जनन के लिये साफ-सफाई करके अन्य प्राणियों की मदद करते हैं।
- **संरक्षण स्थिति:**
  - IUCN रेड लिस्ट: लुप्तप्राय
  - वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972: अनुसूची I
- वन्य जीव और वनस्पति की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES): परिशिष्ट I
- **भारत की पहल:** प्रोजेक्ट टाइगर एवं एलीफेंट को पूर्ववर्ती प्रोजेक्ट टाइगर और प्रोजेक्ट एलीफेंट योजनाओं को मिलाकर शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य हाथियों और उनके आवासों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना है।
  - **14 प्रमुख हाथी राज्यों में 33 हाथी रिज़र्व स्थापित किये गए हैं** (सबसे अधिक जनसंख्या कर्नाटक में है, उसके बाद असम और केरल का स्थान है)।

//

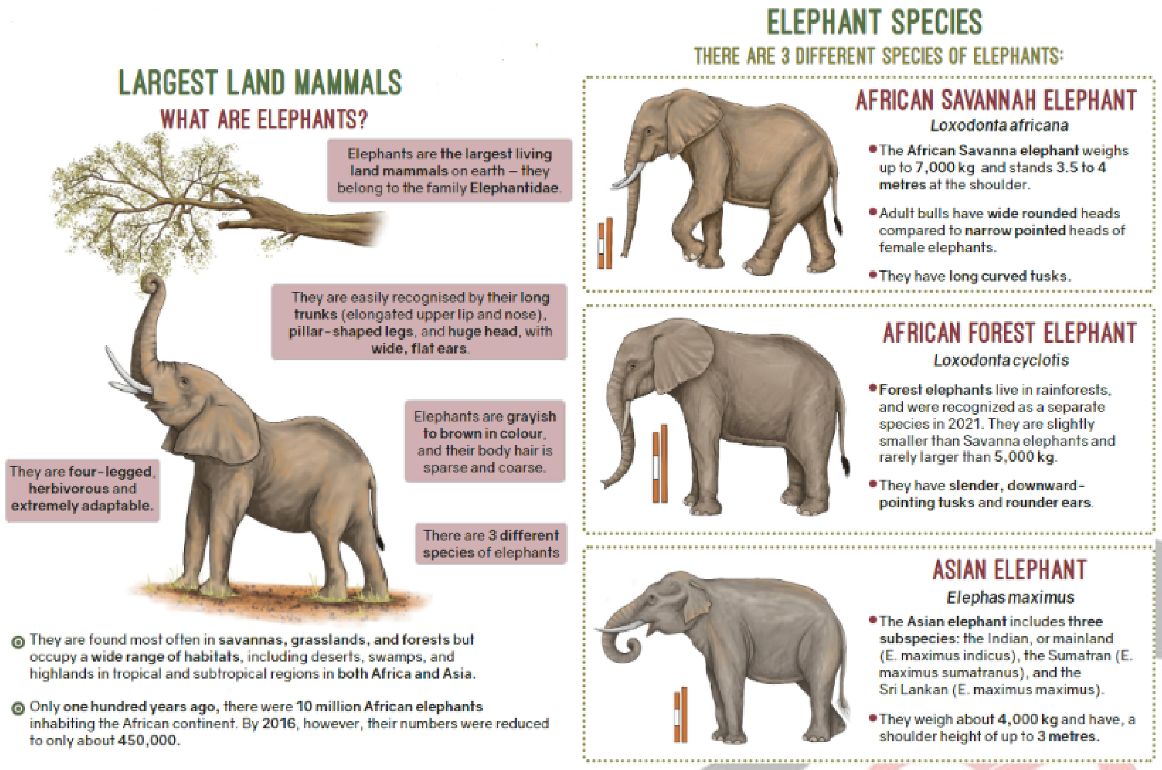

और पढ़ें: [वशि्व हाथी दविस 2023]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/asian-elephants